आपसे...

इस पत्रक (News Letter) का मूल्य सहयोग राशि के रूप में 10 रु० रखा गया है। अभी यह सभी उपलब्ध पतों पर भेजा जा रहा है। इस आशा और निवेदन के साथ कि आप कृपया 100 रु० (वार्षिक) एवं 500 रु० (आजीवन) शुल्क भेजकर इसके ग्राहक बनें। साथ ही अपने विचार व सुझाव (Feed Back) अवश्य दें। यदि Feed Back या वार्षिक/आजीवन शुल्क प्राप्त नहीं हुआ तो यह मानकर कि आपको यह पत्र नहीं मिल रहा है अथवा इस कायस्थ नव जागरण आन्दोलन में आपकी रूचि नहीं है - पत्रक भेजना रोका भी जा सकता है।

आदि मन्दिर का ट्रस्टी - 11,000 रूपये देकर, अवश्य बनें। आपका नाम शिलापट्ट में अंकित किया जायेगा। यह राशि आप तीन या अधिक इन्सटॉलमेंट में भी दे सकते हैं।

11,000/- या इससे अधिक सहयोग दे चुके अथवा सहयोग देकर ट्रस्टी बनने वाले अपनी तस्वीर अपनी प्रोफाइल के साथ भेजें। इन्हें प्रकाशित किया जायेगा।

21,000 रुपये देकर आप अपने किसी पूर्वज की स्मृति का नाम भी, अपने नाम के साथ शिला पट्ट पर जोड़ सकते हैं।

अधिक दान देने अथवा अधिक ट्रस्टी बनवाने का अभियान चलाने वाले भाई-बहनों का नाम विशेष शिला पट्ट पर अंकित किया जायेगा। सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता सं० 10796161762 गुलजारबाग, पटना-800007 में सीधे जमा कराई जा सकती है, जिसकी सूचना भेजने पर प्राप्ति की रसीद भेज दी जायेगी।

विज्ञापन सहयोग (Advertisment) इस में विज्ञापन देकर देश-विदेश में भेजी जाती इस समाचार पत्रिका के माध्यम से आप अपनी संस्था/उत्पाद/ Venture आदि का प्रचार कर इस अभियान में सहयोग कर सकते हैं। दर (Rate) Back Cover = 20,000/- Inner Cover = 15,000/- अन्दर के पृष्ठों में ¼ पट्टी का दर - 3,000/- पूर्ण पृष्ठ 15,000/- अन्दर के पृष्ठों में 1000/- एवं Back Cover में (¼th) 4,000/-। आप नव वर-वधू की तस्वीर भी प्रकाशित करा सकते हैं। दर 5000/- अपने पूर्वज को श्रद्धांजलि भी दे सकते हैं, दर 5000/- संपर्क करें 09431426991

प्रकाशन कार्यालय :
श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर प्रबंधक समिति
ई-1, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से
श्री सुदामा प्रसाद सिन्हा द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित।
पटना कार्यालय: 102, **निशांत रिजेन्सी, फ्रेजर रोड़**
संपादक: कुमार अनुपम
Mob. : 91-09810057790 / 09899088221
09431238362 / 09334443271
Web: www.adichitragupta.com

वैमनस्य का रिश्ता नहीं रहा। हमारा समाज कभी भी जाति या सांप्रदायिक दंगों में शामिल नहीं रहा। जहां तक हो सका अपनी कुर्बानी देकर सामाजिक दंगों का निपटारा किया। इस मामले में गणेश शंकर विद्यार्थी से बड़ा कोई मिशाल नहीं है। समाज के सभी जातियों और वर्गो को यह विश्वास है कि कायस्थ जाति जब कभी भी राजनीतिक सत्ता प्राप्त करेगी तो जनाधार वाले नेता समाज के सभी वर्गो का समान और भरपूर ख्याल रखेंगे। बिहार का ही उदाहरण लें तो बिहार के दोनों कायस्थ मुख्यमंत्री कृष्ण बल्लभ सहाय और महामाया प्रसाद कायस्थ जाति के जनाधार वाले नेता होने के कारण हमेशा जनता के सभी वर्गो का ध्यान रखते थे। कृष्ण बल्लभ सहाय जी के जमाने में तो लाला और ग्वाला (कायस्थ और यादव) की युक्ति इतनी मजबूत थी जितनी कि कभी लालू ने अपने एम–वाई समीकरण में प्राप्त नहीं किया। इसी प्रकार के उदाहरण उत्तर प्रदेश में संपूर्णानन्द, राजस्थान में शिव चरण माथुर पश्चिम बंगाल में विधान चन्द्र राय और ज्योति बसु आदि के भी रहे है। इनमें से किसी पर भी समाज के किसी वर्ग को ''मजा चखाने'' या बदला साधने का आरोप नहीं लगा।

सिकटा जहां 500 (पांच सौ) कायस्थ मतदाता हैं जहां दिलीप वर्मा 50 हजार मत प्राप्त कर सकते हैं तो पटना के चारों विधान सभा क्षेत्र जहां कायस्थ मतदाताओं की संख्या 50 हजार से डेढ़ लाख तक है। आरा, भभुआ, गया, बेतिया, मोतिहारी, चम्पारण, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, छपरा, सीवान, गोपालगंज, पूर्णिया, मुंगेर आदि स्थानों में जहां पर कायस्थ मतदाताओं की संख्या 20 हजार से लेकर 50 हजार तक है। क्या कारण है कि न तो हम टिकट प्राप्त कर पाते हैं और न चुनाव में सफल हो पाते हैं। कारण है राजनीतिक महत्वकांक्षा का अभाव और समाज द्वारा राजनीति में आने वाले को हतोत्साहित करना। यही कारण है कि एक समय जिस बिहार विधान सभा में आपके 50 से अधिक विधायक जीत कर आते थे, आज कायस्थ विधायकों की संख्या 2 से 3 पर सिमट कर रह गयी हैं अगर हमारे पास अगले चुनाव तक 100 दिलीप वर्मा पैदा हो जाये तो अपने बल पर 50 सीटें जीतने का दम रखते हैं।

अध्यक्षीय अपील

आदरणीय चित्रांश बंधु

विषयः श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर प्रबंधक समिति के जन संपर्क पदाधिकारी श्री सतीश कुमार श्रीवास्तव (राजू) का श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर में आदर्श विवाह।

मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि मंदिर के जन संपर्क पदाधिकारी सतीश कुमार श्रीवास्तव राजू ने एक मध्यम वर्गीय कायस्थ परिवार की लड़की से बिना तिलक दहेज के आदर्श विवाह करने का निश्चिय किया है। मैनपुरा पटना निवासी लड़की का परिवार आर्थिक दृष्टि से काफी कमजोर है और लड़की के पिता किसी प्राइवेट फार्म में अल्प वेतन भोगी कर्मचारी हैं।

विवाह 21 फरवरी 2011 दिन सोमवार को मंदिर परिसर में संपन्न होगा। विवाह का समय दिन के 11.30 बजे रखा गया है। विवाहोपरांत मंदिर परिसर में सुरूचिपूर्ण प्रीतिभोज की व्यवस्था की जा रही है। प्रीतिभोज के पश्चात वर–वधू भगवान चित्रगुप्त की पूजा–अर्चना करेंगे और सोमवार का दिन होने के नाते शंकर भगवान का रूद्राभिषेक करेंगे।

इस पत्र के माध्यम से मैं आप सभी को इस अवसर पर उपस्थित होने का आमंत्रण भेज रहा हूँ जिसे कृपया स्वीकार करेंगे। मेरा विनम्र निवेदन है कि आप समारोह में भाग ले और नव दम्पति को अपना बहुमूल्य आर्शीवाद देकर उनका उत्साह बढ़ायें तथा मंदिर समिति के बिना दहेज सेवा अभियान को गति प्रदान करें।

चूँकि लड़की पक्ष आर्थिक दृष्टि से अत्यंत ही कमजोर है। समिति ने यह निर्णय लिया है कि समाज की ओर से कुछ सामान नव दम्पति को उपहार स्वरूप भेंट किया जाये ताकि वे अपना गृहस्थ जीवन सुचारू रूप से चला सके। आपसे अनुरोध है कि कार्यालय प्रभारी श्री अवधेश प्रसाद को मो0 नं0 9308204424 या 0612–3257529/3257530 पर सूचित कर दें कि आप व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से कौन सा उपहार लाने के इच्छुक है, तो सुविधा रहेगी। एक ही प्रकार का उपहार कई स्थानों से प्राप्त होने से उत्पन्न संकट भी नहीं रहेगा।

21 फरवरी को आपके दर्शन की अभिलाषा के साथ,

जय चित्रगुप्त! जय चित्रांश!!